प्रभारी मंत्री ने कहा, यह जनभागीदारी से हुआ अद् भुत कार्य है

नवीनीकरण के बाद फिर शुरू हुआ बाल चिकित्सालय

रतलाम। एमसीएच के समीप बने बाल चिकित्सालय के नवीनीकृत भवन का शुभारंभ रविवार को प्रभारी मंत्री ओपीएस भदौरिया ने किया। बाल चिकित्सालय में 63 नए आक्सीजन बेड के साथ ही सभी कक्षों में नया फर्श, लाइटिंग, पेवर ब्लाक, आदि लगाने के साथ ही बाहरी स्वरूप को भी निखारा गया है।

प्रभारी मंत्री भदौरिया ने शुभारंभ करते हुए करते कहा कि इस पुराने समय में जनभागीदारी, जनसहयोग से बाल चिकित्सालय के निर्माण का अद् भुत कार्य हुआ था और अब जिला प्रशासन ने इसका कायाकल्प कर दिया है। इसके लिए कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम बधाई के पात्र हैं। आधुनिक स्वरूप में बाल चिकित्सालय शहर के लिए बड़ी सौगात है।

बाल चिकित्सालय का शुभारंभ करते हुए प्रभारी मंत्री ओपीएस भदौरिया। • नईदुनिया

विधायक चेतन्य काश्यप ने कहा कि बाल चिकित्सालय भविष्य के लिए भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध रहेगा। मुझे भी इसके निर्माण में सहभागिता का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। बाल चिकित्सालय के लिए आक्सीजन प्लांट की स्वीकृति भी मिल गई है, शीघ्र ही निर्माण होगा। पूर्व गृहमंत्री हिम्मत कोठारी ने कहा कि रतलाम का बाल चिकित्सालय जनभावना का प्रतीक है। जनसहयोग से इसका निर्माण किया गया जो नगर के लिए एक सौगात है।

शुभारंभ से पहले प्रभारी मंत्री ने बाल चिकित्सालय परिसर में पौधारोपण भी किया। स्वागत भाषण सीएमएचओ डा. प्रभाकर ननावरे ने दिया डिप्टी कलेक्टर शिराली जैन ने कायाकल्प कार्यों से अवगत कराया। संचालन आशीष दशोत्तर व आभार सिविल सर्जन डा. आनंद चंदेलकर ने माना।

मंत्री की तबीयत हुई खराब, दवा लेकर पहुंचे कार्यक्रम में

प्रभारी मंत्री ओपीएस भदौरिया रविवार सुबह करीब सात बजे रतलाम पहुंचे। सर्किट हाउस आने के कुछ देर बाद उन्हें बेचैनी, घबराहट होने लगी। सूचना पर सीएमएचओ डा. प्रभाकर ननावरे, सिविल सर्जन डा. आनंद चंदेलकर नर्सिंग स्टाफ को लेकर सर्किट हाउस पहुंचे और प्रभारी मंत्री का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इसके बाद जरूरी दवाएं भी दी। दवा लेने के कुछ देर बाद स्थिति बेहतर होने पर प्रभारी मंत्री ने तय कार्यक्रमों में भाग लिया। बाल चिकित्सालय में चल रहे कार्यक्रम के दौरान भी प्रभारी मंत्री को कुछ दवा दी गई। सिविल सर्जन डा आनंद चंदेलकर ने बताया कि प्रभारी मंत्री को एसिडिटी के चलते कुछ समस्या हुई थी।

तबीयत खराब होने के बाद प्रभारी मंत्री को बाल चिकित्सालय में भी दवा दी गई।

नईदुनिया

नईदुनिया 13/9/21

बाल चिकित्सालय का नया भवन शुरू • अतिथियों ने कहा- आधुनिक स्वरूप लिए चिकित्सालय बड़ी सौगात

65 ऑक्सीजन बेड हैं, प्रदेश में ये सबसे ज्यादा : भदौरिया

भास्कर संवाददाता | रतलाम

बच्चों के इलाज के लिए बड़ी सुविधा शहर को मिली है। प्रभारी मंत्री ओपीएस भदौरिया ने रविवार को बाल चिकित्सालय के भवन का शुभारंभ किया। इस भवन का रिनोवेशन किया गया है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि बाल चिकित्सालय में बच्चों के लिए 65 ऑक्सीजन बेड है। संभवतः ये प्रदेश में सबसे ज्यादा है।

कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम की पहल पर बाल चिकित्सालय का भवन नए सिरे से तैयार किया गया है। पहले यहां 10 बेड थे, जो अब 65 हो गए हैं। इसी के साथ बाल चिकित्सालय में अन्य सुविधाओं को भी बढ़ाया गया है। प्रभारी मंत्री भदौरिया ने कहा पुराने समय में जनभागीदारी, जनसहयोग से बाल चिकित्सालय के निर्माण का अद्भुत काम रतलाम में हुआ था और अब जिला प्रशासन ने यह काम करते हुए इसका कायाकल्प कर दिया है। इसके लिए कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम बधाई के पात्र हैं। अब आधुनिक स्वरूप लिए बाल चिकित्सालय शहर के लिए बड़ी सौगात है, उपलब्धि है। प्रभारी मंत्री ने कहा मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के नेतृत्व में पिछले 3 माह में स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदेशवासियों को मुहैया कराई गई हैं। हर एक जिले में बच्चों के उपचार के लिए विशेष बाल चिकित्सा इकाई स्थापित की गई है। प्रत्येक जिले में ऑक्सीजन प्लांट उपलब्ध कराए गए हैं।

बाल चिकित्सालय के नए भवन के शुभारंभ अवसर पर व्यवस्थाओं के बारे मे जानते प्रभारी मंत्री भदौरिया।

पूर्व मंत्री कोठारी के घर गए प्रभारी मंत्री, जिलाध्यक्ष की तबीयत पूछी : प्रभारी मंत्री पूर्व मंत्री हिम्मत कोठारी के निवास पर भी गए। वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष की तबीयत खराब होने पर उन्होंने कुशलक्षेम पूछी। विधायक ग्रामीण दिलीप मकवाना, अशोक चौटाला, भेरूलाल पाटीदार मौजूद थे।

बाल चिकित्सालय के लिए ऑक्सीजन प्लांट की स्वीकृति भी मिली

विधायक चेतन्य काश्यप ने कहा बाल चिकित्सालय जनभागीदारी की उपलब्धि है जो भविष्य के लिए भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध रहेगा। मुझे भी इसके निर्माण में सहभागिता का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। उन्होंने कहा कि कोरोना के साथ ही नगर में डेंगू से निपटने के लिए भी ठोस कदम उठाए गए हैं। बाल चिकित्सालय के लिए ऑक्सीजन प्लांट की स्वीकृति भी मिल गई है, शीघ्र ही इसका निर्माण होगा। पूर्व मंत्री हिम्मत कोठारी ने कहा कि रतलाम का बाल चिकित्सालय जनभावना का प्रतीक है। जनसहयोग से बाल चिकित्सालय का निर्माण किया गया जो सौगात है। डिप्टी कलेक्टर शिराली जैन ने बाल चिकित्सालय के कायाकल्प के बारे में बताया।

भास्कर

दै. भास्कर 13/9/21

पार्षद ने प्रभारी मंत्री से सड़क मरम्मत की मांग

रतलाम। प्रभारी मंत्री आरपीएस भदौरिया से सर्किट हाउस में वार्ड 23 के पूर्व पार्षद विनोद राठौड़ ने निर्माणाधीन ड्रेनेज सिस्टम व शहर के सड़कों की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की। प्रभारी मंत्री ने जल्दी कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस दौरान सिंधिया आनलाइन टीम के जिला प्रभारी अनिल टाक, जिला परशुराम परिषद के जिला अध्यक्ष अंकित रावल (कालूखेड़ा), चेतन टांक, वार्डवासी गोटू राव, धर्मेंद्र खत्रीवाल, राजेश राठौड़ व साथीगण भी मौजूद रहे।

प्रस्तावित आवास योजना का निरीक्षण : प्रभारी मंत्री ने मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल रतलाम की प्रस्तावित स्वर्ण सागर आवासी कालोनी में पौधारोपण किया। उन्होंने प्रस्तावित आवास योजना का निरीक्षण किया। गृह निर्माण मंडल उज्जैन वृत्त के उपायुक्त प्रबोध पराते ने योजना की विस्तृत जानकारी दी। योजना के पंजीयन बाबत रेरा में कार्रवाई प्रचलन में है। रेरा पंजीयन उपरांत सर्वसामान्य के लिए इस योजना में पंजीयन आमंत्रण की कार्रवाई की जाएगी। मध्यप्रदेश गृह निर्माण व अधोसंरचना विकास मंडल के कार्यपालन यंत्री निर्मल गुप्ता, सहायक यंत्री बीएस सिसौदिया आदि उपस्थित थे।

श्री गणेश की तस्वीर के साथ मिट्टी की छोटी मूर्ति स्थापित

मंदसौर। भागवत नगर में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी धूमधाम से श्री गणेशोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। श्री गणेश जी की तस्वीर के साथ मिट्टी की छोटी मूर्ति की स्थापना की गई। छह वर्षों से पीओपी की मूर्ति नहीं लगाई जाती है। पर्यावरण संरक्षण के लिए यह कदम उठाया गया है। प्रथम दिवस का पूजन व आरती कर भगवान श्रीगणेश से सभी के स्वस्थ व प्रसन्न रहने की कामना की गई। पं. गोपाल पंचारिया ने गणेशजी का पूजन कराकर स्थापना कराई। इस अवसर पर भागवत नगर विकास एवं सेवा समिति अध्यक्ष डा. राघवेंद्रसिंह तोमर, सचिव निलेश तिवारी पदाधिकारी राजेश कुमार मकवाना, जितेंद्रसिंह तोमर, ओमप्रकाश सोनी, सुनील कुमावत, बबीतासिंह तोमर उपस्थित थे।

नईदुनिया

नईदुनिया 13/9/21

स्वास्थ्य विभाग तोड़ेगा डेंगू का डंक

मुख्यमंत्री 15 सितंबर को करेंगे प्रहार अभियान का शुभारंभ

भोपाल, (प्रसं)। डेंगू पर कारगर नियंत्रण के लिए स्वास्थ्य विभाग 15 सितंबर से डेंगू पर प्रहार अभियान शुरू कर रहा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अभियान का शुभारंभ 15 सितंबर को सुबह 10 बजे करेंगे। अभियान के दौरान डेंगू नियंत्रण के लिए संचालित की जाने वाली गतिविधियों की जिम्मेदारी सभी जिलों के कलेक्टर, सीएमएचओ और मलेरिया अधिकारियों को दी गई है। इस आशय के निर्देश स्वास्थ्य आयुक्त आकाश त्रिपाठी ने शनिवार को जारी किए।

स्वास्थ्य आयुक्त द्वारा जारी निर्देश में अधिकारियों को वर्षा ऋतु शुरू होने बाद प्रदेश में मलेरिया, डेंगू एवं चिकुनगुनया जैसे वेक्टर जनित रोगों के संक्रमण काल शुरू होने पर इन रोगों से बचाव और नियंत्रण के लिए आवश्यक गतिविधियों को युद्ध स्तर पर संचालित करने निर्देश दिए हैं। अधिकारियों से कहा गया है कि आमजन के सहयोग से इन रोगों पर आसानी से नियंत्रण प्राप्त किया जा सकता है। स्वास्थ्य आयुक्त त्रिपाठी ने कहा कि वर्षाकाल में अनेक स्थानों पर जल जमाव होने के कारण, घरों में छोटे कंटेनर, टंकियों आदि में एक सप्ताह से अधिक तक जल संग्रह करने के चलते डेंगू एवं चिकुनगुनया जैसे रोगों को फैलाने वाले एडीज मच्छर का प्रजनन शुरू हो जाता है। जल भराव वाले पत्रों की नियमित साफ-सफाई न होने के कारण इन मच्छरों के लार्वा एडीज मच्छरों की उत्पत्ति का स्त्रोत बन जाते हैं। अमूमन अगस्त से अक्टूबर माह तक इन बीमारियों का प्रकोप अत्याधिक रहता है। शासन द्वारा समय-समय पर वेक्टर जनित रोगों के नियंत्रण के लिए विभिन्न दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। वर्तमान में प्रदेश के कतिपय जिलों में डेंगू के प्रकरणों में वृद्धि देखने में आई है। इसको दृष्टिगत रख अभियान में डेंगू से बचाव एवं नियंत्रण के उपायों की जानकारी को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाए। समस्त जिलों में डेंगू निरोधक गतिविधयां संचालित की जाएं। अभियान में जिन गतिविधियों को संचालित किए जाने का निर्णय लिया गया है इनमें डेंगू से बचाव एवं नियंत्रण की गतिविधियों और जन-जन को डेंगू रोग के प्रति जागरूक करने के लिए प्रचार-प्रसार की गतिविधियों को सम्मिलित किया गया है।

कलेक्टर, सीएमएचओ और मलेरिया अधिकारियों को दी जिलों की जिम्मेदारी

नियंत्रण और बचाव के लिए जरूरी दिशा-निर्देश जारी

अभियान में सभी जिलों में 15 सितंबर को जिलों के प्रभारी मंत्री, सांसद, विधायक और स्थानीय जन-प्रतिनिधियों के द्वारा अभियान की शुरुआत की जाए। जिले में आयोजित डेंगू निरोधक गतिविधियों में संबंधित जिले की क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप को भी सम्मिलित किया जाना सुनिश्चित किया जाए। जिले के ग्रामीण क्षेत्र में प्रत्येक ग्राम एवं शहरी क्षेत्र में प्रत्येक वार्ड में डेंगू से बचाव एवं नियंत्रण गतिविधियां संचालित किए जाने हेतु कार्य-योजना तैयार की जाए। सभी घरों में लार्वा सर्वे, स्पेस स्प्रे, फागिंग, जल जमाव हटाने हेतु दल गठित किए जाएं। इन दलों में मुख्यत: आशा कार्यकर्ताओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत कर्मी, बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता, नॉन मेडिकल असिस्टेंट, मलेरिया निरीक्षक, व्हीबीडी टेक्निकल सुपरवाइजर इत्यादि जैसे मैदानी कार्यकर्ताओं को सम्मिलित किया जा सकता है। जारी निर्देशों में कहा गया है कि फॉगिंग एवं छिड़काव हेतु पर्याप्त मात्रा में क्रियाशील कम्प्रेसर पंप, फॉगिंग मशीन, कीटनाशक, रसायन इत्यादि की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

24 घंटे में करें लार्वा नष्ट करने की व्यवस्था

अभियान के दौरान जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में वाहक मच्छरों की वृद्धि के स्रोत में कमी लाने के लिए सात दिनों से अधिक समय तक किसी भी स्थान पर जलजमाव न रहने दें। कूलर, टंकी, गमले, फूलदान, पुराने टायर, बेकार डब्बे, सकोरे, खाली प्लाट, गड्ढों इत्यादि की सफाई सुनिश्चित करवाए। किसी क्षेत्र में लार्वा पाए जाने पर सर्वप्रथम लार्वा वाले पानी को खाली कराया जाए, यदि पानी खाली न कराया जा सकता हो तो पानी को छान कर उसमें से लार्वा पृथक किए जा सकते हैं। यदि तत्काल पानी खाली न किया जा सकता हो, जिनमें लार्वा हो तो उसमे सही मात्रा में टेमीफोस लार्वानाशक का घोल डालें। इनकी सूची तैयार करें तथा 24 घंटे के भीतर खाली कराकर लार्वा नष्ट करने की व्यवस्था की जावे। ऐसे क्षेत्र में मच्छर के लार्वा शून्य होने तक एंटीलार्वल गतिविधियां संपादित की जाए। एंटीलार्वल गतिविधि अंतर्गत लार्वा नियंत्रण हेतु टेमीफोस 50 प्रतिशत घोल, बीटीआई पाउडर, बीटीआई लिक्विड जैसे एंटीलार्वल रसायन का उपयोग किया जाए। प्रभावित क्षेत्रों में रसायन साइफेनोथ्रिन पांच प्रतिशत के द्वारा आउटडोर फॉगिंग कार्य किया जाए। कीटनाशक पायरेथ्रम दो प्रतिशत द्वारा डेंगू पॉजिटिव रोगी के घर के आसपास 400 मीटर के क्षेत्र में स्थित घरों में स्पेस स्प्रे करवाएं।

किसी भी बुखार के रोगी की जल्द जांच और उपचार प्रारंभ करें

डेंगू से बचाव एवं नियंत्रण के उपायों की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने हेतु विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाए। बुखार प्रभावित रोगियों को एलएलआईएन/बेड नेट का प्रयोग करने की सलाह दें। किसी भी बुखार के रोगी को 24 घंटों के अंदर जांच एवं उपचार प्रारंभ करने की सलाह दी जाए। जिले में आयुष्मान भारत निरामयम योजना से सम्बद्ध अस्पतालों में डेंगू के रोगियों का निःशुल्क उपचार सुनिश्चित किया जाए। डेंगू पर प्रहार अभियान राज्य शासन की प्राथमिकता में है आवश्यक तैयारी के साथ अभियान को सफल बनाने की दिशा में कार्य करें।

राज एक्सप्रेस 13/9/21

हर नागरिक डेंगू के प्रसार को रोकने में सहभागी हो : मुख्यमंत्री

• 15 सितम्बर को संचालित होगा प्रदेशव्यापी 'डेंगू से जंग जनता के संग' अभियान • कोरोना से बचाव के लिए आवश्यक है वैक्सीन का दूसरा डोज़ • प्रधानमंत्रीजी के जन्मदिन पर वैक्सीनेशन महाअभियान को सफल बनाएं • मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आमजन से की अपील

प्रसारण न्यूज • भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश की जनता से कोरोना से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियाँ बरतने के साथ ही डेंगू के प्रसार को रोकने में सहयोग की अपील की है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि हमारे घरों के आस-पास अनावश्यक रूप से पानी का जमाव हो जाने से डेंगू पैदा करने वाले लार्वा को पनपने का मौका मिलता है। जागरूकता से कोरोना और डेंगू के साथ ही अन्य संक्रामक रोगों को रोका जा सकता है। उपचार से बेहतर है, एहतियात। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विभिन्न जनमाध्यमों से प्रदेश के नागरिकों से आग्रह किया है कि 15 सितम्बर को डेंगू से जंग जनता के संग अभियान में शामिल होकर डेंगू की जड़ों पर प्रहार करें और अपनी एवं परिजनों सहित आस-पड़ोस के लोगों की स्वास्थ्य की रक्षा में सहभागी बनें।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पिछले डेढ़ साल से हम लगातार कोरोना के खिलाफ जंग लड़ रहे हैं। जनता के सहयोग से यह संभव हुआ है। मुझे यह कहते हुए संतोष है कि तात्कालिक रूप से कोरोना पर नियंत्रण पाने में हम लोग सफल रहे हैं।

लेकिन असावधान नहीं रहना है। सावधानी जरूरी है और कोविड से जंग में सबसे महत्वपूर्ण है वैक्सीनेशन। हम टीका लगवाएं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में वैक्सीनेशन का काम मध्यप्रदेश में भी तेजी से चल रहा है। प्रधानमंत्री जी फ्री में वैक्सीन हमें दे रहे हैं। मध्यप्रदेश में अब तक 75 प्रतिशत से ज्यादा भाई-बहनों को, पात्र आबादी को वैक्सीन का पहला डोज लगाया जा चुका है। लेकिन अभी भी लोग वैक्सीनेशन का लाभ लेने से बचे हुए हैं। हमारा संकल्प है कि 30 सितम्बर तक हम मध्यप्रदेश की पात्र जनसंख्या को वैक्सीन का पहला डोज़ लगा देंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि याद रखिए केवल पहला टीका पर्याप्त नहीं है। पहले टीके के बाद दूसरा टीका लगवाना मतलब वैक्सीन का दूसरा डोज़ लेना भी जरूरी है और इसलिए अगर पहला टीका लगवाने के बाद समयावधि पूरी हो गई हो तो दूसरा टीका लगवाना मत भूलिए, तभी कोविड से पूरी सुरक्षा आपको मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मेरी आपसे प्रार्थना है कि अभी तक आपने वैक्सीन न लगवाई हो तो बिल्कुल देर मत कीजिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अब तक प्रथम डोज़ या दोनों डोज़ न लगवा सके नागरिकों से आग्रह किया है कि अपने निकट के वैक्सीनेशन सेंटर पर जाएं। तत्काल टीका लगवाइए और केवल आप ही नहीं परिवार में अगर कोई बचा हो जो टीका न लगवा पाया हो तो अपने परिजनों को टीका लगवाएं, पड़ोसियों को टीका लगवाएं, रिश्तेदारों को टीका लगवाएं, ग्रामवासियों को टीका लगवाएं, यह आपकी भी ड्यूटी है कि कोई बिना टीके के न रहे।

प्रधानमंत्रीजी का जन्मदिन पर वैक्सीनेशन महाअभियान

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि वैक्सीनेशन महाअभियान 17 सितम्बर को फिर होने वाला है। उस दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का जन्मदिन भी है। उस दिन व्यापक पैमाने पर अभियान चलाकर टीके लगवाए जाएंगे। मेरी आपसे प्रार्थना है कि आपके गाँव में, आपके मोहल्ले में, आपके वार्ड में, अगर कोई रह गया हो तो खोज-खोज कर कन्वेंस करके टीके लगवाएं। एक निवेदन और कर रहा हूँ तीसरी लहर का खतरा अभी तक टला नहीं है। पॉजिटिव केस कोविड के लगातार आ रहे हैं और इसलिए मास्क लगाना, दूरी बनाए रखना, त्यौहारों में संयम बनाए रखने का पालन, यह अत्यंत आवश्यक है। मध्यप्रदेश में हम लगभग 75 हजार टेस्ट रोज कर रहे हैं। लेकिन एक दिक्कत आ रही है कुछ लोग टेस्ट के लिए सेम्पल देने से इंकार कर रहे हैं। ये बिल्कुल ठीक नहीं है। याद रखिए, कोविड संक्रमण का पता करने का एक ही तरीका है कि हम टेस्ट अधिकतम करते रहें। उसके लिए सेम्पल देना जरूरी है और सेम्पल प्रदेश के हर कोने से लेना पड़ेगा। इसलिए कृपया करके सेम्पल लेने अगर टीम आए तो इंकार मत कीजिए, सावधानी में ही सुरक्षा है।

प्रसारण

प्रसारण 13/9/21

जून में खत्म होना था काम, अभी भी अधूरा, पूरा होने में दो माह और लगेंगे

सीवरेज सिस्टम में लेटलतीफी : 23850 हाउस कनेक्शन और 5 किमी लाइन डलना बाकी, करमदी रोड एसटीपी अधूरा, पंपिंग स्टेशनों में बिजली कनेक्शन ही नहीं हुए

भास्कर संवाददाता | रतलाम

शहर से निकलने वाले घरों के गंदे पानी को अंडरग्राउंड बाहर निकालने के लिए बनाए जा रहे सीवरेज सिस्टम का काम सवा चार साल बाद भी अधूरा है। कार्रवाई के बजाय नगर निगम ठेकेदार कंपनी की काम पूरा करने की समय सीमा बढ़ाता जा रहा है। आखिरी बार जनवरी में तय हुई समय सीमा जून में खत्म हो चुकी है। अभी भी लगभग 23850 हजार हाउस कनेक्शन और 5 किमी सीवेज लाइन डलना बाकी है। खेतलपुर वाला सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) बनकर फंक्शनल पोजीशन में आ गया है, लेकिन करमदी रोड वाला सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट अधूरा ही पड़ा है। वहीं सीवेज को एसटीपी तक पहुंचाने वाले पांचों पंपिंग स्टेशनों में अब तक बिजली कनेक्शन नहीं हो पाए हैं। इसमें कम से कम दो माह और लगेंगे। सीवरेज सिस्टम प्रोजेक्ट का काम जून 2017 में प्रारंभ हुआ था। इसके बाद हालांकि ठेकेदार कंपनी को भी काम करने में कई दिक्कतें आईं। इसमें बड़ी बाधा विधानसभा, लोकसभा, बारिश और पिछले साल लॉकडाउन में आई। इस दौरान दो से चार माह के लिए काम बंद रहा।

अभी ये काम भी बाकी

- होमगार्ड से आ रही लाइन को ऑफिसर्स कॉलोनी बीआईपी रोड से होकर जमातखाना लाकर जोड़ना
- फव्वारा चौक से महू रोड बस स्टैंड तक सीवेज लाइन
- जूनियर इंस्टिट्यूट के सामने से गोमदड़े की पुलिया तक लाइन।
- रेल नगर से डोसीगांव पंपिंग स्टेशन तक की लाइन।
- लगभग 5 से 8 मुख्य लाइन के जोड़।

ठेकेदार कंपनी पर कार्रवाई करने के बजाय समय सीमा बढ़ाता जा रहा नगर निगम

दीनदयाल नगर में इस तरह किए जा रहे हैं हाउस कनेक्शन।

सवा चार साल में सीवरेज सिस्टम की हालत

लाइन - अभी भी 6 किमी डलना बाकी, कुल 282 किमी में से 276 किमी बिछाई जा चुकी।

हाउस सर्विस चैंबर - अभी भी 300 बनने बाकी, कुल 11500 में से 11200 बनाए जा चुके।

हाउस कनेक्शन - 23850 मकानों के कनेक्शन बाकी, कुल 43250 में से अब 19400 के ही कनेक्शन हुए।

मैन होल - 1100 सरप्लस बन चुके, योजना के अनुसार 5052 बनाने थे, लेकिन अब तक 6152 बन गए।

पंपिंग स्टेशन - पांचों का लाइट कनेक्शन बाकी, सविल वर्क पूरा होकर मशीनें भी लग गई है। डोसीगांव और गोमदड़े की पुलिया वाले की लाइन मुख्य लाइन।

650 गलियों में नहीं डली लाइन - लगभग 650 गलियां (बैक लेन) ऐसी हैं जिनमें सीवेज लाइन न तो डल पाई है, न आगे डलेगी। वजह गलियों की चौड़ाई महज तीन से पांच फीट है, जिससे खुदाई नहीं की जा सकती। इसलिए 16000 होम कनेक्शन भी नहीं हो पाएं। इसका विकल्प यह है कि गलियों की जिन नालियों से होकर गंदा पानी निकल रहा है, उसे ही ऊपर से ढंककर अंडर ग्राउंड करके फ्रंट लेन लाइन में ले जाकर मिलाया जाएगा।

मॉनिटरिंग करवा रहे हैं

सीवरेज सिस्टम का काम 95 प्रतिशत से ज्यादा पूरा हो गया है। आखिर दौर का काम चल रहा है, उसकी निगम इंजीनियरों से मॉनीटरिंग करवा रहे हैं। जहां-जहां दिक्कत है, उन्हें दूर कर रहे हैं।

कुमार पुरुषोत्तम, कलेक्टर

17 सितंबर तक काम हो जाएगा। खेतलपुर एसटीपी ऑपरेशनल हो चुका है, करमदी रोड का दस दिन में तैयार हो जाएगा। मुख्य शहर में बैकलेन के घरों के कनेक्शन के लिए रास्ता निकाला है। मंजूरी मिलते ही काम शुरू कर देंगे।

हरेश भाई, प्रोजेक्ट इंजीनियर-जयवर्ड़ी कंस्ट्रक्शन

भास्कर

दै. भास्कर 13/9/21

मप्र में भी बढ़ाया जा सकता है कर्मचारियों और पेंशनरों का महंगाई भत्ता व राहत

भोपाल (राज्य ब्यूरो)। त्योहार और उपचुनाव की जल्द घोषणा की संभावना को देखते हुए शिवराज सरकार भी कर्मचारियों एवं पेंशनरों का महंगाई भत्ता व राहत बढ़ा सकती है।

अभी प्रदेश के कर्मचारियों को 12 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिल रहा है। जबकि केंद्र सरकार अपने कर्मचारियों के लिए इसे बढ़ाकर 28 प्रतिशत कर चुकी है। लिहाजा, वित्त विभाग ने प्रस्ताव बनाकर अंतिम निर्णय के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के पास भेज दिया है।

केंद्र सरकार के महंगाई भत्ता व राहत बढ़ाने के बाद कुछ राज्यों ने भी अपने कर्मचारियों के लिए इसमें वृद्धि कर दी है। अब प्रदेश के कर्मचारी और पेंशनर भी इसको लेकर मांग कर रहे हैं। दरअसल, प्रदेश में कमल नाथ सरकार ने पांच प्रतिशत महंगाई भत्ते में वृद्धि के आदेश कर दिए थे लेकिन कोरोना संकट की वजह से प्रभावित अर्थव्यवस्था को देखते हुए सरकार ने आदेश स्थगित कर दिया था।

तब से ही महंगाई भत्ता व राहत में वृद्धि नहीं हुई है। हालांकि इस बीच कर्मचारियों को वार्षिक वेतनवृद्धि का लाभ दिया जा चुका है। वित्त विभाग ने महंगाई भत्ता व राहत में वृद्धि का प्रस्ताव बनाकर भी दे दिया है लेकिन इस पर अंतिम निर्णय नहीं हो पाया है।

नईदुनिया 13/9/21

मेले में रोजगार के लिए 151 बेरोजगारों का पंजीयन

रतलाम ● स्वदेश समाचार

आजादी का अमृत महोत्सव अंतर्गत जिला प्रशासन एवं म.प्र.डे.राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला पंचायत रतलाम के द्वारा जनपद पचायत आलोट अंतर्गत में विकासखण्ड स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले में रोजगार के लिए 151 बेरोजगार आवेदकों का पंजीयन कराया गया।

मेले में प्रदेश एवं जिले की 6 कम्पनियों ने विभिन्न पदों (सेल्स प्रतिनिधि, मशीन ऑपरेटर सुपरवाईजर, ट्रेनी, मशीन वर्कर, सेल्स मार्केटिंग, सिक्योरिटी गार्ड) आदि विभिन्न पद हेतु 123 आवेदकों का प्रारंभिक चयन किया गया। उक्त मेले में दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल उन्नयन अंतर्गत प्रशिक्षण संस्थान व आरसेटी प्रशिक्षण संस्थान द्वारा भी 20 बेरोजगार, युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण व स्व-रोजगार प्रशिक्षणों हेतु परामर्श प्रदाय कर मार्गदर्शित किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती मीनाक्षी सिंह ने बताया कि आजादी का अमृत महोत्सव अंतर्गत आगामी दिवसों में विकासखंड स्तर पर 15 सितम्बर को बाजना, 16 सितम्बर को पिपलोदा, 17 सितम्बर को सैलाना में रोजगार मेलों का आयोजन किया जाएगा।

स्वदेश 13/9/21

गली गली कुत्तों की भरमार,नगर निगम कर रहा गायों पर प्रहार,क्या गायों को कटने के लिए छोड दें गौपालक?

रतलाम । शहर की गली गली में कुत्तों की भरमार है,लेकिन नगर निगम कुत्तों को छोड कर गायों पर प्रहार करने में लगा है। नगर निगम की इस तुगलकी कार्यवाही ने गौ पालकों के सामने बडा प्रश्न खडा कर दिया है कि क्या वे अपनी गायों को कटने के लिए छोड दें? एक ओर शहर के दर्जनों नागरिक आवारा कुत्तों के काटने से घायल होकर इंजेक्शन लगवा रहे है,दूसरी ओर नगर निगम शहर के गौ पालकों को नोटिस देकर उनके बाडे तोडने की तैयारी में लगी है। इस पूरे मसले पर हिन्दूवादी जनप्रतिनिधियों की चुप्पी भी आश्चर्यचकित करने वाली है। जिला प्रशासन के निर्देश पर नगर निगम ने पिछले कुछ दिनों से शहर में हो रहे पशुपालन को अवैध घोषित करते हुए नगर निगम सीमा में बनाए गए गाय भैंसों के बाडे तोडने की कार्यवाही प्रारंभ की है। यह बात व्यावसायिक तौर पर गौपालन करने वाले लोगों के लिए होती तब तक तो ठीक हो सकता था,लेकिन नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने उन गौपालकों को भी नोटिस दे दिए है,जो श्रद्धावश अपने घरों में गाय पाल रहे है। नगर निगम द्वारा शहर के चार झोन में कुल 149 पशुपालकों को उनके गायों के बाडे तोडने का फरमान सुनाया है। गाय को माता कह कर पूजने वाले भारत में कई साधु संत अपने प्रवचनों में उपदेश देते है कि भारत के लोगों को अपने घरों में कुत्ता पालने की बजाय गाय पालनी चाहिए। कई ऐसे श्रद्धालु है जो वास्तव में गाय को अपनी श्रद्धा के कारण ही पालते है। ऐसे लोगों के घरों में गाय न सिर्फ उनके परिवार के सदस्य के रुप में रहती है,बल्कि सम्मानित भी की जाती है।

लेकिन नगर निगम ने शहर के तमाम गौपालकों को एक ही लाठी से हांक दिया है। नगर निगम द्वारा दिए गए नोटिस में करीब आधी संख्या उन लोगों की है,जिनके पास केवल एक या दो गायें है। गौपालन और पशुपालन के व्यवसाय की समझ रखने वाला प्रत्येक व्यक्ति जानता है कि एक या दो गायों से दूध का व्यवसाय संभव नहीं है। दूध का व्यवसाय करने के लिए गायों की बडी संख्या आवश्यक होती है। नगर निगम ने जिन 149 पशुपालकों को नोटिस दिए है,उनमें मात्र तीन ऐसे पशुपालक है,जिनके पास गायों की संख्या दो अंकों से अधिक है। जबकि उन गौपालकों की संख्या कई गुना है जिनके प्रास केवल एक,दो या तीन गायें है और उनके बछडे भी है।

नगर निगम के नोटिस से उनक गौपालकों के सामने बडा प्रश्न खडा हो गया है,जिनके घरों में गाय परिवार के सदस्य के रुप में है। अब वे अपनी गाय का क्या करें। नगर निगम के तुगलकी फरमान ने शहर में गाय पालने को ही अवैध घोषित कर दिया है। अब गौभक्त क्या अपनी गौमाताओं को कटने के लिए छोड दें।

नगर निगम में व्याप्त नासमझी की बानगी यह है कि जिस समय पूरे शहर में आवारा कुत्तों का आतंक छाया हुआ है,उस समय में कुत्तों पर नियंत्रण करने की बजाय नगर निगम गायों के पीछे पड रहा है। कल ही आवारा कुत्तों ने एक नन्ही बालिका को लहुलुहान कर दिया था। शहर में आए दिन कुत्तों द्वारा नागरिकों पर हमला करने की घटनाएं हो रही है। नगर निगम में कुत्तों को नियंत्रित करने की किसी योजना पर कोई चिन्तन नहीं हो रहा है,लेकिन निरीह गायों को कसाईयों के यहां भिजवा देने की योजना जरुर बनाली गई है।

इतना ही नहीं शहर में इन दिनों सुअर भी पनपने लगे है। आने वाले कुछ ही दिनों में शहर में सुअरों की समस्या भी विकराल रुप धारण कर लेगी। सुअरों की समस्या को यदि अभी शुरुआती समय पर ही नियंत्रित कर लिया गया तो ही इस पर काबू पाया जा सकता है। लेकिन नगर निगम के अफसरों को सुअरों के बढने की कोई चिंता नहीं है।

जनप्रतिनिधियों का मौन-इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाला रवैया जनप्रतिनिधियों का है। प्रदेश में स्वयं को हिन्दूवादी पार्टी बताने वाली भाजपा का राज है। रतलाम में भी जनप्रतिनिधि भाजपा के ही है। इसके अलावा शहर में तमाम हिन्दू संगठन सक्रिय है। लेकिन तमाम के तमाम नेता और संस्थाएं चुप्पी साधे बैठे है। कोई भी प्रशासन और नगर निगम से यह पूछने को तैयार नहीं है कि घर में कुत्ते की बजाय गाय पालना अपराध कैसे हो गया? स्वतंत्र

स्वतंत्र ऐलान 13/7/21

हर रविवार... डेंगू लार्वा पर 'प्रहार'

रतलाम, नप्र। डेंगू के खात्मे के लिए रतलाम में अब हर रविवार को लार्वा पर प्रहार होगा। इसके लिए आज से विशेष जनजागरण अभियान शुरू हुआ।

डेंगू के लार्वा पर प्रहार करने के लिए शुरू हो रहे विशेष जन जागरण अभियान में सुबह 10 बजे से 11 बजे के बीच शहर के सभी नागरिक अपने घर मोहल्ले कार्यक्षेत्र में अभियान चलाकर पानी के स्त्रोत जैसे गमले, पुराने टायर, सीमेंट की टंकी, कूलर आदि को खाली करके उनकी सफाई करेंगे और डेंगू के लार्वा पर प्रहार करेंगे। जिला प्रशासन ने इस संबंध में नागरिकों से अपील की है कि डेंगू की रोकथाम के लिए जरूरी है कि हम डेंगू को उसके अंडे और लार्वा को ही खत्म कर दें। डेंगू साफ पानी में फैलता है इसलिए यदि हम हर रविवार सभी जल स्त्रोतों को एक साथ खाली करने का अभियान चलाएं तो लार्वा को एक साथ खत्म किया जा सकता है। प्रशासन ने नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, संस्थाओ शासकीय कर्मचारियों, पत्रकार बंधुओं से आग्रह किया है कि अपने कार्यक्षेत्र, निवास क्षेत्र में बेवजह जमा जल को साफ कर लार्वा को पनपने से रोकें। इस के लिए अपने स्तर पर एवं क्षेत्रवासियो के प्रयासों से इस काम को अभियान का स्वरूप देकर डेंगू को फैलने से रोकने में भूमिका अदा करें।

थोड़ी सी जागरूकता रोक सकती है डेंगू को

जिले तथा रतलाम शहर में डेंगू नियंत्रण एवं कोविड वैक्सीनेशन पर कलेक्टर ने एक खास बैठक ली। विधायकगणों एवं पूर्व पार्षदों के साथ कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने बैठक में विचार विमर्श कर डेंगू नियंत्रण के लिए कार्य योजना बनाई। बताया कि केवल थोड़ी सी जागरूकता से डेंगू को रोका जा सकता है उस पर काबू पाया जा सकता है। बस लोग घरों के आसपास और अपने घरों में पानी का जमाव नहीं होने दे। हर उपस्वास्थ्य केन्द्र और सिविल अस्पतालों में प्लेटलेट्स जांच सुविधा तय की है।

कलेक्टर ने कोविड19 वैक्सीनेशन पर भी बैठक में चर्चा की। बताया कि जिले में वैक्सीनेशन का काम बेहतर ढंग से चल रहा है। वैक्सीनेशन के मामले में जिला पूरे प्रदेश में सातवें नंबर पर है जबकि 2 माह पहले 32 वे नंबर पर था। शहर में 95 प्रतिशत प्रथम डोज वैक्सीनेशन किया जा चुका है। जिले में प्रथम डोज 85 प्रतिशत पूरा हो चुका है। वोटर लिस्ट के मान से जल्द ही शत-प्रतिशत काम पूरा किया जाएगा। कोई भी व्यक्ति वैक्सीनेशन से छूटा हो तो उसकी जानकारी 1075 पर कॉल करके दी जा सकती है। डेंगू पर चर्चा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि थोड़ी सी जागरूकता रखकर डेंगू से बचा जा सकता है। लोग अपने घर के आसपास और घरों में जलजमाव नहीं होने दे यह जनजागृति जनप्रतिनिधि एवं पूर्व पार्षद अपने-अपने क्षेत्रों में निचले स्तर तक पहुंचाएं। डेंगू से बचाव के लिए जागरूकता सबसे बेहतर है।

जावरा विधायक ने कहा कि बदले हुए स्वरूप में डेंगू से परेशानी हो रही है। अपेक्षाकृत अधिक लोगों को बुखार आ रहा है, लोगों का ज्यादा से ज्यादा टेस्ट कराया जाए। तहसील मुख्यालयों पर डेंगू जांच की सुविधा सुनिश्चित की जाए। विधायक दिलीप मकवाना ने नामली एवं धामनोद में डाक्टर की उपलब्धता तय करने के निर्देश दिए साथ ही दवाई छिड़काव, दवाइयों की उपलब्धता एवं जांच सुविधा पर जोर दिया।

कलेक्टर ने बताया कि रतलाम शहर में डेंगू नियंत्रण के लिए चार दल विशेष रूप से गठित किए है जो सर्वेक्षण करवाएंगे। गोविन्द काकानी ने कहा कि जिला अस्पताल में एफरेसिस मशीन उपलब्धता के लिए सारी प्रक्रियाएं जल्द पूरी करना होगी। मानव सेवा समिति की ओर से रतलाम जिला ही नहीं बल्कि आसपास के जिलों तथा गुजरात एवं राजस्थान तक के रोगियों को प्लेटलेट्स उपलब्ध कराने के लिए काम किया जा रहा है।

प्रभात किरण 12/9/21

लोक अदालत में निगम को 34 लाख रुपए मिले

रतलाम ● नेशनल लोक अदालत के तहत जिला न्यायालय व फायर ब्रिगेड भवन नगर निगम कार्यालय में बकायादारों ने 190 प्रकरणों के तहत संपत्तिकर के 28 लाख रुपए तथा 98 प्रकरणों के तहत जलप्रदाय के 6 लाख 1 हजार रुपए कुल राशि 28 लाख 1 हजार रुपए जमा कराकर अधिभार (सरचार्ज) की राशि में छूट का लाभ लिया।

स्वदेश 13/9/21

संपत्ति 28 लाख व जलकर 6 लाख जमा

रतलाम. शहर में शनिवार को हुए लोक अदालत में नगर निगम को संपत्तिकर 28 लाख रुपए व व जलकर 6 लाख जमा हुआ है। नेशनल लोक अदालत के तहत जिला न्यायालय व फायर ब्रिगेड भवन नगर निगम कार्यालय में बकायादारों ने 190 प्रकरणों के तहत संपत्तिकर के 28 लाख रूपये तथा 98 प्रकरणों के तहत जलप्रदाय के 6 लाख 1 हजार कुल राशि 28 लाख 1 हजार जमा कराकर लाभ लिया।

पत्रिका 13/9/21

नोडल अधिकारी

रतलाम। कलेक्टर ने डेंगू के बढ़ते मामले को देखते हुए शहरी क्षेत्र के 4 जोन में सर्वेलेंस काम करने के लिए दलों बनाए है। ये दल अपने-अपने क्षेत्र में तथा डेंगू पॉजिटिव मरीजों के क्षेत्र में लार्वा सर्वे का काम करेंगे और लार्वा की पैदा होने वाली जगह को नष्ट करवाएंगे। इस अभियान के लिए एसडीएम रतलाम शहर अभिषेक गहलोत एवं नगर निगम आयुक्त सोमनाथ झरिया को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

प्रभातकिरण 12/9/21

डेंगू से बचाव हेतु प्रत्येक झोन में एक-एक डबल बैरल फॉगिंग मशीन से कीटनाशक दवा का छिड़काव निरंतर जारी

रतलाम। कलेक्टर एवं निगम प्रशासक कुमार पुरूषोत्तम के निर्देशानुसार नागरिकों को मच्छर जनित डेंगू व मलेरिया जैसी बीमारी से बचाव हेतु नगर प्रत्येक झोन में एक-एक डबल बैरल फॉगिंग मशीन से कीटनाशक दवा का छिड़काव का कार्य निरंतर जारी है। निगम आयुक्त झारिया ने इस अवसर पर बताया कि शहर में बढ़ रहे डेंगू व मलेरिया जैसी मच्छर जनित बीमारियों पर नियंत्रण हेतु कलेक्टर एवं निगम प्रशासक श्री कुमार पुरूषोत्तम के निर्देशानुसार फॉगिंग मशीन प्रत्येक झोन में एक-एक डबल बैरल फॉगिंग मशीन से नगरनिगम व मलेरिया विभाग द्वारा रूट चार्ट अनुसार सुबह 5:30 से 8 बजे तक व शाम को 6 से रात 10 बजे तक किया जा रहा है साथ ही प्रत्येक वार्ड में एक-एक हैण्ड स्प्रे मशीन से भी कीटनाशक दवा का छिड़काव किया जा रहा है। प्रसारण

प्रसारण 13/9/21

डेंगू के प्रसार को रोकने में सहभागी हों नागरिक-शिवराज

भोपाल ● 12 सितम्बर (ब्यूरो) मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने नागरिकों से प्रदेश में डेंगू के प्रसार को रोकने में सहयोग की अपील की है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि विभिन्न जनमाध्यमों से प्रदेश के नागरिकों से आग्रह किया है कि 15 सितम्बर को 'डेंगू से जंग जनता के संग' अभियान में शामिल होकर डेंगू की जड़ों पर प्रहार करें और अपनी एवं परिजनों सहित आस-पड़ोस के लोगों की स्वास्थ्य की रक्षा में सहभागी बनें। हमारे घरों के आसपास अनावश्यक रूप से पानी का जमाव हो जाने से डेंगू पैदा करने वाले लार्वा को पनपने का मौका मिलता है। जागरुकता से कोरोना और डेंगू के साथ ही अन्य संक्रामक रोगों को रोका जा सकता है।

श्री चौहान ने कहा कि पिछले डेढ़ साल से हम लगातार कोरोना के खिलाफ जंग लड़ रहे हैं। जनता के सहयोग से यह संभव हुआ है। कोरोना पर नियंत्रण पाने में हम लोग तात्कालिक रूप से सफल रहे हैं, लेकिन सावधानी जरूरी है। लोग टीका अवश्य लगवाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में वैक्सीनेशन का काम मध्यप्रदेश में भी तेजी से चल रहा है। मध्यप्रदेश में अब तक 75 प्रतिशत से ज्यादा पात्र आबादी को वैक्सीन का पहला डोज लगाया जा चुका है। हमारा संकल्प है कि 30 सितम्बर तक हम मध्यप्रदेश की पात्र जनसंख्या को वैक्सीन का पहला डोज लगा देंगे। उन्होंने कहा कि वैक्सीन की दोनों डोज निर्धारित समय पर लेने से कोविड से आपको पूरी सुरक्षा मिलेगी। मेरी आपसे प्रार्थना है कि अभी तक आपने वैक्सीन नहीं लगवाई हो तो बिल्कुल देर मत कीजिए।

स्वदेश 13/9/21

प्रभारी मंत्री भदोरिया ने बाल चिकित्सालय के नवीनीकृत भवन का शुभारंभ किया

प्रसारण न्यूज • रतलाम

जिले के प्रभारी मंत्री ओ.पी.एस. भदोरिया ने रविवार को रतलाम के बाल चिकित्सालय के नवीनीकृत भवन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक शहर चैतन्य काश्यप, पूर्व मंत्री हिम्मत कोठारी, विधायक रतलाम ग्रामीण दिलीप मकवाना, जिला पंचायत प्रधान परमेश मईडा, कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम, पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी, निगमायुक्त सोमनाथ झारिया आदि उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम द्वारा विशेष पहल करके जिला बाल चिकित्सालय का कायाकल्प कराया गया है। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री श्री भदौरिया ने संबोधित करते हुए कहा कि उस पुराने समय में जनभागीदारी, जनसहयोग से बाल चिकित्सालय के निर्माण का अद्भुत कार्य रतलाम में संपन्न हुआ था और अब जिला प्रशासन ने सराहनीय कार्य करते हुए इसका कायाकल्प कर दिया है, इसके लिए कलेक्टर श्री कुमार पुरुषोत्तम बधाई के पात्र हैं। अब आधुनिक स्वरूप लिए बाल चिकित्सालय शहर के लिए बड़ी सौगात है, उपलब्धि है।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के नेतृत्व में पिछले 3 माह में उल्लेखनीय स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदेशवासियों को मुहैया कराई गई है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य किया गया है। कोरोना लहर से निबटने के संपूर्ण इंतजाम किए गए हैं। हर एक जिले में बच्चों के उपचार के लिए विशेष बाल चिकित्सा इकाई स्थापित की गई है। प्रत्येक जिले में ऑक्सीजन प्लांट उपलब्ध कराए गए हैं। रतलाम में बाल चिकित्सालय में उल्लेखनीय कार्य किया गया है। यहां अब 65 ऑक्सीजन बेड बच्चों के लिए उपचार हेतु उपलब्ध है जो कि संभवतः प्रदेश के किसी भी जिले से ज्यादा हैं।

विधायक चेतन्य काश्यप ने कहा कि बाल चिकित्सालय जनभागीदारी की उपलब्धि है जो भविष्य के लिए भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध रहेगा। मुझे भी इसके निर्माण में सहभागिता का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। उन्होंने कहा कि कोरोना के साथ ही नगर में डेंगू से निपटने के लिए भी ठोस कदम उठाए गए हैं। उन्होंने बताया कि बाल चिकित्सालय के लिए ऑक्सीजन प्लांट की स्वीकृति भी मिल गई है, शीघ्र ही इसका निर्माण होगा। पूर्व मंत्री हिम्मत कोठारी ने कहा कि रतलाम का बाल चिकित्सालय जनभावना का प्रतीक है। जनसहयोग से, सभी जनों के सहयोग से बाल चिकित्सालय का निर्माण किया गया जो नगर के लिए एक सौगात है। प्रभारी मंत्री ने बाल चिकित्सालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया। प्रारंभ में स्वागत उद्बोधन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रभाकर ननावरे ने दिया डिप्टी कलेक्टर सुश्री शिराली जैन ने बाल चिकित्सालय के कायाकल्प से अवगत कराया। संचालन आशीष दशोत्तर ने किया, आभार सिविल सर्जन डॉ. आनंद चंदेलकर ने माना।

प्रसारण

प्रसारण 13/9/21

डेंगू • ब्लड बैंक से सिर्फ 10 दिन में 137 गंभीर मरीजों को दे चुके प्लेटलेट्स, डिमांड लगातार बढ़ रही

एलाइजा किट खत्म, जांच बंद, एंटीजन से 18 टेस्ट, इसलिए... दो दिन से 0 पॉजिटिव

जिले में बढ़ते मरीजों की वजह से निजी अस्पताल भी होने लगे फुल | मेल मेडिकल वार्ड में जगह नहीं बची, बच्चों के वार्ड भी फुल हुए | घरों के आसपास होगी एंटी लार्वा एक्टिविटी, दल सक्रिय रहेगा

भास्कर संवाददाता | रतलाम

हमारे जिले में डेंगू के केस मिलने पर ब्रेक लगा है। दरअसल, ऐसा एलाइजा टेस्ट किट खत्म होने के कारण हुआ है। दो दिन से एक भी डेंगू पॉजिटिव सामने नहीं आया है। इधर,

वायरल का प्रकोप भी जारी है। सरकारी अस्पताल में एक बेड पर दो मरीज इलाज ले रहे हैं तो वहीं अब निजी अस्पताल के बेड भी फुल होने लगे हैं। शहर के कुछ प्रमुख निजी अस्पताल में डिस्चार्ज होने वाले मरीजों की जगह अन्य मरीजों को भर्ती किया जा रहा है।

डेंगू मरीजों की जांच एलाइजा और एंटीजन पद्धति से की जाती है। दो दिन से जिले में एलाइजा किट नहीं है, ऐसे में टेस्ट भी नहीं लग पा रहे हैं। एंटीजन से जांच हो रही है लेकिन दो दिन में 18 सैंपलों की ही जांच हो सकी है। वहीं दो दिन पहले एलाइजा टेस्ट से एकसाथ 25 पॉजिटिव आए थे। ऐसे में डेंगू को लेकर अभी खतरा लगातार बना हुआ है। इधर जिला अस्पताल में मरीजों की भीड़ अभी भी बरकरार है। मेल मेडिकल वार्ड में जगह ही नहीं बची है। वहीं, बच्चों के वार्ड भी फुल ही हो रहे हैं।

1800 से 2000 से ज्यादा थी ओपीडी

शहर में मच्छरों को भगाने के लिए लगातार फॉगिंग की जा रही है।

इधर, जिला अस्पताल में मरीजों की भीड़ बनी हुई है। ओपीडी में 1800 से 2000 लोग पहुंच रहे हैं। 7 सितंबर को 2165 लोग पहुंचे तो वहीं, 11 सितंबर को 1860, 12 सितंबर को रविवार का अवकाश होने पर भी 888 लोग रजिस्टर्ड हुए हैं। डॉक्टरों के मुताबिक मरीजों में बुखार, सर्दी-खांसी, बदन दर्द के मरीज ज्यादा आ रहे हैं। इनमें ज्यादातर सीजनल हैं। अगस्त में 43667 लोग रजिस्टर्ड हुए थे। इधर, मानव सेवा समिति ब्लड बैंक से 10 दिन में 137 गंभीर लोगों को प्लेटलेट्स दे चुके हैं, इसकी सूची प्रशासन को दी है। अब इनके घरों के आसपास एंटी लार्वा एक्टिविटी होगी।

12 दिन में 21 हजार से ज्यादा मरीज रजिस्टर्ड

सितंबर 2020	24361
अक्टूबर	22977
नवंबर	21187
दिसंबर	22243
जनवरी 2021	23184
फरवरी	24157
मार्च	28177
अप्रैल	17717
मई	14916
जून	20919
जुलाई	27516
अगस्त	43667
सितंबर	21129 (अब तक)

नोट - ई-हॉस्पिटल में रजिस्टर्ड मरीजें।

किट खत्म हो गई है

किट खत्म होने से एलाइजा टेस्ट नहीं हो पा रहा है। एक-दो दिन में किट आ जाएगी। इसके बाद दोबारा जांच शुरू होगी।

डॉ. प्रमोद प्रजापति, मलेरिया अधिकारी

भास्कर

दे. भास्कर 13/9/21

मेडिकल कालेज में 60 बिस्तरों वाले डेंगू वार्ड में 97 मरीज भर्ती

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। डेंगू के मरीजों को लेकर शासकीय स्तर पर संख्या कम है, लेकिन निजी अस्पतालों में उपचार कराने वालों व प्लेटलेट्स की मांग से मरीजों की संख्या कई गुना अधिक है। मानव सेवा समिति ब्लड बैंक से ही गत 10 दिनों में 137 गंभीर मरीजों को ब्लड व प्लेटलेट्स दिए गए हैं। हालात यह है कि निजी अस्पतालों के बाद अब मोहल्लों, चौराहों पर स्थित छोटे-छोटे क्लीनिकों पर भी उपचार कराने वालों की तादाद बढ़ रही है।

इधर जिले में दो दिन से एलाइजा टेस्ट रिपोर्ट में डेंगू के नए मरीज नहीं मिले और रविवार को एंटीजन की सभी 12 रिपोर्ट में निगेटिव मिली। जिला अस्पताल का महिला-पुरुष मेडिकल वार्ड बुखार के मरीजों से भर गया है। डेंगू के उपचार के लिए मेडिकल कालेज में बनाए गए 60 बेड वार्ड में रविवार को मरीजों की संख्या 97 रही। यहां बुखार के मरीजों को भी भर्ती किया जा रहा है। इसके लिए बेड बढ़ाए गए हैं। पिछले तीन दिन से मेडिकल कालेज में मरीजों की संख्या 90 से ऊपर बनी हुई है। जिले में अब तक 272 डेंगू के मरीजों की पुष्टि की जा चुकी है और लगातार संदिग्ध मरीज मिल रहे हैं।

रतलाम में हौज खाली कर दवा का छिड़काव करते हुए कर्मचारी। •नईदुनिया

379 घरों के सर्वे में 73 में लार्वा मिला

डेंगू नियंत्रण के लिए रविवार को शहर के चार वार्डों दो, 22, 25 और 36 में चार टीमों ने सर्वे किया। यहां 379 घरों के सर्वे में 73 में लार्वा मिला जिसे नष्ट कराया गया। 1177 कंटेनर चेक किए, जिनमें 53 में लार्वा मिले। दवा का छिड़काव भी हुआ। एक टीम में सात लोग है, जो एक-एक व्यक्ति के घर में जाकर जांच कर रहे हैं। जिला मलेरिया अधिकारी डा. प्रमोद प्रजापति ने बताया कि डेंगू के मरीज बढ़े है, लेकिन दो दिन से नए मरीज नहीं मिले हैं। मौसमी बुखार के मरीजों का भी डेंगू और मलेरिया टेस्ट कराया जा रहा है। लोग डाक्टरों को दिखाएं और मच्छरों से बचाव करें।

ब्लड व प्लेटलेट्स लेने वाले मरीजों की सूची ली

जिला प्रशासन की टीम को सूची सौंपने के साथ जानकारी देते हुए समिति के पदाधिकारी। •नईदुनिया

डेंगू की रोकथाम को लेकर आयोजित बैठक में समाजसेवियों के सुझाव पर कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने गंभीर डेंगू मरीजों की सूची लेकर उनके क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए थे। एक सितंबर से दस सितंबर तक मानव सेवा समिति ने 137 डेंगू मरीजों को ब्लड व प्लेटलेट्स दिए। बैठक के बाद एसडीएम अभिषेक गहलोत, तहसीलदार गोपाल सोनी एवं पटवारी संदीप डबकरा ने मानव सेवा समिति रक्त केंद्र पर पूरी जानकारी प्राप्त की। मानव सेवा समिति अध्यक्ष मोहनलाल पाटीदार(मुरली वाला), उपाध्यक्ष विवेक बक्शी, सचिव गोपाल सोडाणी एवं जिला क्राइसिस मैनेजमेंट समिति के सदस्य गोविंद काकानी ने डेंगू की स्थिति से अवगत कराया।

समिति के पदाधिकारियों ने शहर के नागरिकों से विशेषकर डेंगू से ग्रसित परिवारों के सदस्यों से अपने घर के छत एवं पूरे इलाके में जहां पानी जमा हो, उसे तुरत खाली करने की अपील की है।

नईदुनीया 13/9/21

'द्वारका' के मामले में अब रेलवे का दखल

मनमर्जी का निर्माण

द्वारका रेसीडेंसी का गड़बड़झाला

इंजीनियरिंग विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने की जांच, डीआरएम को देंगे अपनी रिपोर्ट

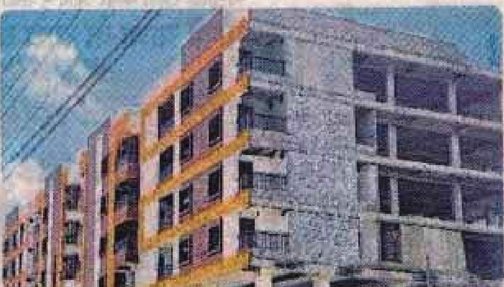

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. द्वारका रेसीडेंसी के गड़बड़झाला का मामला उलझता जा रहा है। अब तक प्रशासन व नगर निगम ने इसके खिलाफ मोर्चा खोला था, अब रेलवे ने भी अपनी दृष्टि वक्र की है। असल में रेल संगठनों ने सैलाना यार्ड के रहवासी कर्मचारी व उनके परिवार के आने जाने के रास्ते सहित अन्य मामलों पर आवाज उठाई है। इसके बाद मंडल रेल प्रबंधक ने पूरे मामले की जांच के लिए एक सदस्य वाली कमेटी बनाकर जांच रिपोर्ट मांगी है। अब जांच अधिकारी मंडल के वरिष्ठ इंजीनियर समन्वय को सोमवार को अपनी जांच रिपोर्ट देना है।

असल में द्वारका रेसीडेंसी के निर्माण में लीज की भूमि पर बनाने के आरोप पूर्व में ही लग चुके हैं। द्वारका रेसीडेंसी का निर्माण करने वालों ने सरकारी नजूल की भूमि भी हड़प ली थी व अवैध रुप से निर्माण कर लिया था। कलेक्टर व प्रशासक कुमार पुरुषोत्तम ने इसके लिए जांच कमेटी बनाकर रिपोर्ट के आधार पर निर्माण कार्य तोड़ने को कहा था। इसके बाद नगर निगम का दल गया तो, लेकिन अज्ञात दबाव के बाद आधी अधूरी कार्रवाई करके वापस आ गया।

यह किया रेलवे ने

असल में द्वारका रेसीडेंसी के निर्माण के दौरान जब रहवासियों ने आपत्ती ली थी तब निर्माण करने वालों ने यह भरोसा दिया था कि सैलाना यार्ड में रहने वाले कर्मचारियों के लिए आने जाने का रास्ता रहेगा व उनके क्षेत्र में जो टूटफूट हुई है उसको बेहतर किया जाएगा। निर्माण के बाद इन रेल कर्मचारियों के लिए रास्ता नहीं रहा। इसके बाद वेस्टर्न रेलवे एम्प्लाइज यूनियन ने इन कर्मचारियों की समस्या उठाने का निर्णय लिया। पत्रिका ने इस मामले को प्रकाशित किया। इसके बाद मंडल रेल प्रबंधक विनीत गुप्ता ने मंडल के वरिष्ठ कार्डिनेटर इंजीनियर अंकित गुप्ता को जांच करने के लिए भेजा। अब जांच रिपोर्ट सोमवार को दी जाएगी।

जांच के लिए कहा गया है

सैलाना यार्ड में रहने वाले हमारे कर्मचारियों व उनके परिजन को कोई समस्या नहीं हो इसकी जांच के लिए द्वारका रेसीडेंसी के निर्माण को देखने व जांच के लिए अधिकारी को भेजा गया है। सोमवार को जांच रिपोर्ट आएगी, इसके बाद इस मामले में निर्णय लिया जाएगा।

- विनीत गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक

पत्रिका

पत्रिका 13/9/21

डेंगू से बचाव के लिए प्रत्येक झोन में

एक-एक डबल बैरल फॉगिंग मशीन से कीटनाशक दवा का छिड़काव निरंतर जारी

रतलाम ● स्वदेश समाचार
नागरिकों को मच्छर जनित डेंगू व मलेरिया जैसी बीमारी से बचाव हेतु नगर प्रत्येक झोन में एक-एक डबल बैरल फॉगिंग मशीन से कीटनाशक दवा का छिड़काव का कार्य निरंतर जारी है।

निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने इस अवसर पर बताया कि शहर में बढ़ रहे डेंगू व मलेरिया जैसी मच्छर जनित बीमारियों पर नियंत्रण हेतु फॉगिंग मशीन प्रत्येक झोन में एक-एक डबल बैरल फॉगिंग मशीन से नगर निगम व मलेरिया विभाग द्वारा रूट चार्ट अनुसार सुबह 05:30 से 08:00 बजे तक व शाम को 06:00 से रात 10:00 बजे तक किया जा रहा है साथ ही प्रत्येक वार्ड में एक-एक हैण्ड स्प्रे मशीन से भी कीटनाशक दवा का छिड़काव किया जा रहा है।

चार जोन में सर्वे कार्य दल गठित

डेंगू के प्रकरणों में हो रही वृद्धि को दृष्टिगत रखते हुए रतलाम शहरी क्षेत्र के 4 जोन में सर्वेलेंस कार्य करने के लिए दलों का गठन कलेक्टर के निर्देश पर किया गया है। ये दल अपने-अपने क्षेत्र में तथा डेंगू पॉजिटिव मरीजों के क्षेत्र में लार्वा सर्वे का कार्य करेंगे और लार्वा की उत्पत्ति स्थलों को नष्ट करवाएंगे। इस अभियान के लिए एसडीएम रतलाम एवं नगर निगम आयुक्त को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। नियुक्त दल क्रमांक एक में नोडल अधिकारी जिला मलेरिया अधिकारी प्रमोद प्रजापति, सहायक नोडल अधिकारी उपायुक्त विकास सोलंकी एवं एसएफडब्ल्यू मलेरिया विभाग सुरेश रघुवंशी होंगे। इस जोन में प्रभारी पर्वत हाड़े एवं सात सहायक कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। दल क्रमांक-2 के नोडल अधिकारी तहसीलदार गोपाल सोनी एवं सहायक नोडल अधिकारी स्वास्थ्य अधिकारी ए.पी. सिंह एवं सहायक मलेरिया अधिकारी एन.एस. वसुनिया होंगे। इस जोन के प्रभारी किरण चौहान होंगे तथा 7 सहायक कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है।

दल क्रमांक-3 की नोडल अधिकारी नायब तहसीलदार सुश्री पूजा भाटी एवं सहायक अधिकारी सहायक यंत्री अरविंद दशोत्तर एवं सुनील दुबे होंगे। इस जोन के प्रभारी विनय चौहान रहेंगे तथा 7 से अधिक कर्मचारियों की नियुक्ति की गई। दल क्रमांक-4 के नोडल अधिकारी नायब तहसीलदार संतोष कुमार रब्रावत रहेंगे। सहायक नोडल सहायक यंत्री एम.के. जैन एवं मलेरिया इंस्पेक्टर अशोक पवार रहेंगे। इस जोन के प्रभारी विराट मेहरा रहेंगे । साथ ही सात सहायक कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है।

ये दल अपने-अपने क्षेत्र में प्रतिदिन डेंगू के ऐडिस लार्वा सर्वे का निरीक्षण कर लार्वा विनष्टीकरण की कार्रवाई करेंगे। लोगों को डेंगू बीमारी के प्रति समझाइश देकर जागरूक करेंगे । आवश्यकता होने पर चालानी कार्रवाई भी करेंगे। प्रतिदिन निर्धारित प्रपत्र में जानकारी नोडल अधिकारी को प्रेषित करेंगे।

कोरोना के दौरान इंडोर खेल का चलन बढ़ा- शर्मा

रतलाम ● कोरोना जैसी महामारी में योग, प्राणायाम एवं शारीरिक दक्षता बनाए रखने के लिए हर खिलाड़ी अभ्यास के लिए इंडोर खेलों का महत्व दे रहा है जिससे न केवल शारीरिक दक्षता बनी रहेगी बल्कि अभ्यास भी बना रहता है । उपरोक्त विचार अंतर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस खिलाड़ी एवं सेवानिवृत्त राजधानी लोको पायलट इंदेश पुरोहित एवं प्रवीण पुरोहित सेवानिवृत्त सीनियर सेक्शन इंजीनियर टेलीकॉम के जवाहर नगर स्थित आवास पर टेबल टेनिस टेबल का शुभारंभ करते हुए रेलवे पेंशनर एसोसिएशन के वरिष्ठ सलाहकार कामरेड गोविंदलाल शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। विशेष अतिथि रेलवे पेंशनर एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रकाश व्यास की उपस्थिति में अतिथियों द्वारा पूजा, अर्चना एवं टेबल टेनिस खेल कर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर टेबल टेनिस जिलाध्यक्ष अखिलेश गुप्ता, जिला खेल अधिकारी आर.सी.तिवारी, कमर्स कॉलेज के खेल अधिकारी श्री मौर्य, सुभाष विलियम, अंतर्राष्ट्रीय गायक गिरीश शर्मा सहित गणमान्य नागरिक एवं परिवार के सदस्य उपस्थित थे। राष्ट्रीय खिलाड़ी दीपेश पुरोहित ने सभी का आभार व्यक्त किया।

स्वदेश

स्वदेश 13/9/21

मानव सेवा समिति ने गंभीर डेंगू मरीजों की सूची सौंपी

रतलाम। डेंगू रोकथाम एवं टीकाकरण के लिए ली गई बैठक में वरिष्ठ जन प्रतिनिधि एवं जिला कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने डेंगू रोकथाम के लिए अनेक निर्णय लिए। उसी के तहत गंभीर बीमार रोगी जिनको प्लेटलेट मानव सेवा समिति की ओर से दी गई उन सभी की तत्काल सूची बनाकर देने का समाजसेवी गोविंद काकानी के सुझाव पर जिलाधीश ने निर्देश बैठक में दीया था।

गंभीर डेंगू मरीजों की सूची एवं आवश्यक जानकारी के लिए एस डी एम अभिषेक गहलोत, तहसीलदार गोपाल सोनी एवं पटवारी संदीप डबकरा मानव सेवा समिति रक्त केंद्र पर बैठक के बाद तत्काल पहुंचे। जहां पर मानव सेवा समिति अध्यक्ष मोहनलाल पाटीदार(मुरली वाला) उपाध्यक्ष विवेक बक्शी ,सचिव गोपाल सोडाणी एवं जिला क्राइसिस मैनेजमेंट समिति के सदस्य गोविंद काकानी ने जिले की डेंगू की स्थिति से अवगत कराया एवं लगातार 5 घंटों की मेहनत में विवेक बक्शी एवं गोविंद काकानी ने विगत 1 सितंबर से 10 सितंबर तक 10 दिन में 137 गंभीर डेंगू मरीजों की सूची बनाकर प्रशासन को सौंपी।

इस आधार पर प्रशासन एवं टीम के द्वारा मरीज़ के निवास क्षेत्र के आसपास के इलाके को डेंगू मुक्त करने का अभियान तेज गति से प्रशासन ने शुरू कर दिया है। शहर के नागरिकों से विशेषकर डेंगू से ग्रसित परिवारों से निवेदन है अपने घर के छत एवं पूरे इलाके को देखें जहां पर पानी इखट्टा है उसे तुरंत हटाकर या बदल कर डेंगू महामारी को रोकने ने में प्रशासन की मदद करें। मानव सेवा समिति द्वारा लगातार रतलाम जिले के अलावा मंदसौर ,धार ,झाबुआ ,नीमच उज्जैन, प्रतापगढ़ (राजस्थान) आदि स्थान के डेंगू मरीजों को भी प्लेटलेट देने की व्यवस्था कर रही है।

नवभारत

नवभारत 13/9/21

शहर के चार जोन में लार्वा सर्वे कार्य के लिए दल गठित

दल जागरूकता अभियान के साथ डेंगू लार्वा उत्पत्ति स्थलों को नष्ट कराएंगे

रतलाम । कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री कुमार पुरुषोत्तम ने डेंगू के प्रकरणों में हो रही वृद्धि को दृष्टिगत रखते हुए रतलाम शहरी क्षेत्र के 4 जोन में सर्वेलेंस कार्य करने के लिए दलों का गठन किया है। ये दल अपने-अपने क्षेत्र में तथा डेंगू पॉजिटिव मरीजों के क्षेत्र में लार्वा सर्वे का कार्य करेंगे और लार्वा की उत्पत्ति स्थलों को नष्ट करवाएंगे। इस अभियान के लिए एसडीएम रतलाम शहर श्री अभिषेक गहलोत एवं नगर निगम आयुक्त श्री सोमनाथ झरिया को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। नियुक्त दल क्रमांक एक में नोडल अधिकारी जिला मलेरिया अधिकारी श्री प्रमोद प्रजापति, सहायक नोडल अधिकारी उपायुक्त श्री विकास सोलंकी एवं एसएफडब्ल्यू मलेरिया विभाग श्री सुरेश रघुवंशी होंगे। इस जोन में प्रभारी श्री पर्वत हाड़े एवं सात सहायक कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। दल क्रमांक 2 के नोडल अधिकारी तहसीलदार श्री गोपाल सोनी एवं सहायक नोडल अधिकारी स्वास्थ्य अधिकारी श्री ए.पी. सिंह एवं सहायक मलेरिया अधिकारी श्री एन.एस. वसुनिया होंगे। इस जोन के प्रभारी श्री किरण चौहान होंगे तथा 7 सहायक कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है । दल क्रमांक 3 की नोडल अधिकारी नायब तहसीलदार सुश्री पूजा भाटी एवं सहायक अधिकारी सहायक यंत्री श्री अरविंद दसोत्तर एवं श्री सुनील दुबे होंगे। इस जोन के प्रभारी श्री विनय चौहान रहेंगे तथा 7 से अधिक कर्मचारियों की नियुक्ति की गई। दल क्रमांक 4 के नोडल अधिकारी नायब तहसीलदार श्री संतोष [illegible] सहायक नोडल [illegible] श्री एस.के. [illegible] एवं मलेरिया इंस्पेक्टर श्री [illegible] रहेंगे। [illegible] साथ ही सात सहायक कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। [illegible] अपने क्षेत्र में प्रतिदिन डेंगू के ऐडीस लार्वा [illegible] कर लार्वा विनष्टीकरण की कार्यवाई करेंगे। लोगों को डेंगू बीमारी के प्रति समझाइश देकर जागरूक करेंगे। आवश्यकता होने पर चालानी कार्यवाही भी करेंगे। प्रतिदिन निर्धारित प्रपत्र में जानकारी नोडल अधिकारी को प्रेषित करेंगे। स्वतंत्र

स्वतंत्र ऐलान 13/9/21

कल से शहर में फिर शुरू होगा बारिश का दौर, तीन दिन चलेगा

भास्कर संवाददाता | रतलाम

शहर में मंगलवार से एक बार फिर बारिश का दौर शुरू हो जाएगा। तीन दिन तक अच्छी बारिश के आसार बने हुए हैं। बारिश की अभी जरूरत भी है, क्योंकि सितंबर का कोटा भी पूरा नहीं हो सका है। हम 1 इंच दूर हैं।

जिले में अब तक 30.50 इंच बारिश हो चुकी है। हालांकि सितंबर के अब तक के कोटे की बारिश 31.70 इंच है। इधर जिले की कुल कोटे की बारिश 36.15 इंच है। पिछले 24 घंटे में जिले में 3.5 मिमी बारिश हुई, आलोट में 5 मिमी, जावरा में 5 मिमी, ताल में 5 मिमी, पिपलौदा में 5 मिमी, बाजना में 8 मिमी बारिश हुई। मौसम वैज्ञानिक पीके साहा के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर का एरिया बना है, इससे 14, 15 और 16 सितंबर को अच्छी बारिश के आसार बन रहे हैं। इस दौरान कहीं-कहीं मध्यम तो कहीं-कहीं तेज बारिश भी हो सकती है।

पांच दिन का तापमान

दिनांक	अधि.	न्यू.
8 सितंबर	33.2	24.2
9 सितंबर	33.2	23.6
10 सितंबर	26.2	23.6
11 सितंबर	30.0	23.5
12 सितंबर	30.2	23.8

अधिकतम तापमान में 0.2 डिग्री की बढ़त दर्ज की गई

रविवार को सुबह फुहारें रहीं तो दोपहर में धूप निकली। अधिकतम तापमान 30.2 डिग्री व न्यूनतम तापमान 23.8 डिग्री रहा। शनिवार के मुकाबले अधिकतम तापमान में 0.2 डिग्री की बढ़त तो न्यूनतम तापमान में 0.3 डिग्री की बढ़त हो गई। शनिवार को अधिकतम तापमान 30.0 डिग्री व न्यूनतम तापमान 23.5 डिग्री रहा। सुबह को आर्द्रता 88 व शाम को 80 प्रतिशत रही।

दै. भास्कर 13/9/21

जगह-जगह हुआ दवाओं का छिड़काव, नप निकाल रही है जागरूकता रैलियां, कहर बरपा रहे...

डेंगू को नियंत्रित करने कलेक्टर के मैदान में उतरने पर जिले के नगर निकाय सक्रिय

कलेक्टर ने मदारपुरा क्षेत्र का निरीक्षण कर अधिकारियों को दिये निर्देश।

मंत्री डंग ने बैठक मे अधिकारियों को डेंगू पर नियंत्रण के दिये निर्देश।

मन्दसौर (आरएनएन)। जिले भर में नजरीय सर्वे में करीब दो हजार से अधिक लोग डेंगू से पीड़ित हो चुके हैं। केवल सरकारी आंकड़ा ही 825 मरीजो का हो चुका है।

जिला मुख्यालय पर अनके निजी अस्पताल व क्लीनिक पर उपचार करा रहे मरीजो में हर चौथा व्यक्ति डेंगू से पीड़ित आ रहा है। लगभग हर निजी पेथोलॉजी लेब पर भी प्रतिदिन 5 से 7 मरीजो की जांच में डेंगू पॉजीटिव बताया जा रहा है। ऐसे मे बेकाबू डेंगू को नियंत्रित करने के लिए कलेक्टर गोतम सिंह को मैदान में उतरना पड़ा है। उनके मैदान में उतरते ही सम्बधित सभी विभाग सक्रिय हो गये है। कलेक्टर सिंह ने जिला मुख्यालय के सबसे अधिक डेंगू प्रभावित क्षेत्र मदारपुरा

मलेरिया विभाग की टीम घर-घर जाकर कर रही है सर्वे।

मे निरीक्षण कर नगर पालिका व मलेरिय विभाग के अधिकारीयों को आवश्यक पर सख्त निर्देश दिये कि वे दवा छिडकाव व डेंगू सर्वे में कौताही नही बरते।

कलेक्टर ने बिना मास्क लगाये लोगो से कहा, मास्क लगाकर करे बात

कलेक्टर सिंह ने रविवार सुबह-सुबह डेंगू से सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र मदारपुरा मैं डेंगू के संबंध में चल रहा सर्वे कार्य का औचक निरीक्षण किया। सर्वे के संबंध में मलेरिया अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। नगर पालिका एवं मलेरिया अधिकारी ऐसे स्थान जो खुले प्लाट, खुला मैदान है, वहां पर साफ सफाई एवं पानी का ठहराव बिल्कुल ना होने दें, तभी डेंगू पर नियंत्रण होगा।

मलेरिया अधिकारी को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि डेंगू के संबंध मे लोगों को नुक्कड़ चौराहे पर बुलाए तथा वहां पर डेंगू के संबंध में जानकारी प्रदान करें। जानकारी प्रदान करने में किसी प्रकार की लापरवाही ना बरतें। निरीक्षण के दौरान एसडीएम बिहारी सिंह, नगर पालिका सीएमओ पीके सुमन मलेरिया अधिकारी, तहसीलदार, मुकेश सोनी, उपस्थित थे। भ्रमण के दौरान कलेक्टर सिंह ने लोगों से कहा कि कोई भी बिना मास्क के बात नहीं करेगा।

डेंगू के लिए लापरवाही बरतने पर लोगों से वसूले 2200 रुपए

सर्वे के माध्यम से यह पता चल रहा है, कि लोग घरों के अंदर लंबे समय से एकत्रित पानी को नहीं ढोल पाए। जिससे डेंगू का लारवा उत्पन्न हुआ एवं वहीं पर मच्छर भी पैदा हुए। इस तरह की लापरवाही सर्वे के दौरान उजागर हो रही है। इसलिए ऐसे लोगों पर तुरंत चालानी कार्यवाही भी की जा रही है। चालानी कार्यवाही करके अभी तक 2200 रूपये भी वसूल किए गए हैं। प्रशासन के साथ-साथ हम सभी को डेंगू के बचाव के लिए स्वयं सावधानी रखनी होगी

अभी तक कुल 2 हजार 326 घरों का हुवा सर्वे

डेंगू के प्रभावी रोकथाम के लिए सर्वे की टीम लगातार भ्रमण कर रही है तथा घर-घर जाकर सर्वे कर रही है। अभी तक कुल 2326 घरों का सर्वे किया जा चुका है। सर्वे के दौरान जिन घरों में लापरवाही के कारण लार्वा पाया गया। ऐसे लोगों पर चालानी कार्यवाही भी की जा रही है।

सीतामऊ में कलेक्टर ने घरों के अंदर जाकर देखा डेंगू लार्वा

कलेक्टर सिंह ने सीतामऊ पहुंचकर नगर का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने स्वयं ही घरों के अंदर प्रवेश किया तथा डेंगू का लार्वा देखा। घरों के अंदर पहुंचकर कलेक्टर ने लोगों को साफ सफाई एवं डेंगू के संबंध में बचाव के लिए आवश्यक जानकारियां प्रदान की।

रविवार को डेंगू के 11 मरीज मिले : भ्रमण के दौरान उन्होंने डेंगू दल एवं वैक्सीनेशन टीम से भी चर्चा की। सरकारी खबर के अनुसार रविवार को डेंगू के मरीज मात्र 11 मिले हैं। हांलाकि इस खबर में यह नहीं बाताया कि कुल कितने मरीजो के रक्त नमुनो की जांच की गई। वही 14 मरीज डिस्चार्ज भी हुए। वर्तमान में जिले में 233 मरीज डेंगू पॉजिटिव हैं।

राज एक्सप्रेस 13/9/21

जिले के प्रभारी मंत्री भदौरिया ने नवीनीकृत बाल चिकित्सालय भवन का शुभारंभ किया

बाल चिकित्सालय को आधुनिक स्वरूप देना 'अच्छी पहल'

पत्रिका सोशल प्राइड

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. जिले के प्रभारी मंत्री ओपीएस भदोरिया ने रविवार को रतलाम के बाल चिकित्सालय के नवीनीकृत भवन का शुभारंभ किया। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने विशेष पहल करके जिला बाल चिकित्सालय का कायाकल्प कराया है। प्रभारी मंत्री भदोरिया ने उद्घाटन कार्यक्रम संबोधित करते हुए कहा कि उस पुराने समय में जनभागीदारी से बाल चिकित्सालय के निर्माण का अद्भुत कार्य रतलाम में हुआ था। जिला प्रशासन ने सराहनीय कार्य करते हुए इसका कायाकल्प कर दिया है। अब आधुनिक स्वरूप लिए बाल चिकित्सालय शहर के लिए बड़ी सौगात है, उपलब्धि है।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के नेतृत्व में पिछले तीन माह में उल्लेखनीय स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदेशवासियों को मुहैया कराई गई है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य किया गया है। कोरोना से निपटने के संपूर्ण इंतजाम किए गए हैं। हर एक जिले में बच्चों के उपचार के लिए विशेष बाल चिकित्सा इकाई स्थापित की गई है। प्रत्येक जिले में ऑक्सीजन प्लांट उपलब्ध कराए गए हैं। रतलाम में बाल चिकित्सालय में उल्लेखनीय कार्य किया गया है। यहां अब 65 ऑक्सीजन बेड बच्चों के लिए उपचार हेतु उपलब्ध हैं जो कि संभवतः प्रदेश के किसी भी जिले से ज्यादा हैं।

प्रभारी मंत्री ने बाल चिकित्सालय परिसर में पौधारोपण भी किया। प्रारंभ में स्वागत भाषण मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रभाकर ननावरे ने दिया। डिप्टी कलेक्टर शिराली जैन ने बाल चिकित्सालय के कायाकल्प से अवगत कराया। संचालन आशीष दशोत्तर ने किया व आभार सिविल सर्जन डॉ. आनंद चंदेलकर ने माना।

प्रभारी मंत्री का स्वास्थ्य बिगड़ा

प्रभारी व नगरीय प्रशासक मंत्री ओपीएस भदोरिया का रविवार सुबह सर्किट हाउस में स्वास्थ्य खराब हो गया। सीएमएचओ डॉ. पी ननावरे व सिविल सर्जन डॉ. आनंद चंदेलकर पहुंचे व परीक्षण किया। चिकित्सकों के अनुसार स्वास्थ्य खराब हुआ था, बाद में परीक्षण कर दवाएं दी गई।

किसने क्या कहा

बाल चिकित्सालय जनभागीदारी की उपलब्धि है जो भविष्य के लिए भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध रहेगा। मुझे भी इसके निर्माण में सहभागिता का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। कोरोना के साथ ही नगर में डेंगू से निपटने के लिए भी ठोस कदम उठाए गए हैं। बाल चिकित्सालय के लिए ऑक्सीजन प्लांट की स्वीकृति भी मिल गई है। शीघ्र ही इसका निर्माण होगा। - **चैतन्य कुमार काश्यप**, शहर विधायक

रतलाम का बाल चिकित्सालय जनभावना का प्रतीक है। जनसहयोग से, सभी जनों के सहयोग से बाल चिकित्सालय का निर्माण किया गया जो नगर के लिए एक सौगात है। -**हिम्मत कोठारी**, पूर्व मंत्री

पत्रिका

पत्रिका 13/9/21

प्रभारी मंत्री ने बाल चिकित्सालय के नवीनीकृत भवन का शुभारंभ किया

रतलाम। जिले के प्रभारी मंत्री ओपीएस भदोरिया ने रविवार को रतलाम के बाल चिकित्सालय के नवीनीकृत भवन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक शहर चैतन्य काश्यप, पूर्व मंत्री हिम्मत कोठारी, विधायक रतलाम ग्रामीण दिलीप मकवाना, जिला पंचायत प्रधान परमेश मईडा, कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम, पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी, निगमायुक्त सोमनाथ झारिया आदि उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री पुरुषोत्तम द्वारा विशेष पहल करके जिला बाल चिकित्सालय का कायाकल्प कराया गया है। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री श्री भदौरिया ने संबोधित करते हुए कहा कि उस पुराने समय में जनभागीदारी, जनसहयोग से बाल चिकित्सालय के निर्माण का अद्भुत कार्य रतलाम में संपन्न हुआ था और अब जिला प्रशासन ने सराहनीय कार्य करते हुए इसका कायाकल्प कर दिया है, इसके लिए कलेक्टर श्री कुमार पुरुषोत्तम बधाई के पात्र हैं। अब आधुनिक स्वरूप लिए बाल चिकित्सालय शहर के लिए बड़ी सौगात है, उपलब्धि है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि कोरोना लहर से निबटने के संपूर्ण इंतजाम किए गए हैं। हर एक जिले में बच्चों के उपचार के लिए विशेष बाल चिकित्सा इकाई स्थापित की गई है। प्रत्येक जिले में ऑक्सीजन प्लांट उपलब्ध कराए गए हैं। रतलाम में बाल चिकित्सालय में उल्लेखनीय कार्य किया गया है। यहां अब 65 ऑक्सीजन बेड बच्चों के लिए उपचार हेतु उपलब्ध है जो कि संभवत: प्रदेश के किसी भी जिले से ज्यादा हैं। श्री काश्यप ने कहा कि बाल चिकित्सालय जनभागीदारी की उपलब्धि है जो भविष्य के लिए भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध रहेगा। श्री कोठारी ने कहा कि रतलाम का बाल चिकित्सालय जनभावना का प्रतीक है। जनसहयोग से, सभी जनों के सहयोग से बाल चिकित्सालय का निर्माण किया गया जो नगर के लिए एक सौगात है। स्वागत उद्बोधन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रभाकर ननावरे ने दिया। डिप्टी कलेक्टर शिराली जैन ने बाल चिकित्सालय के कायाकल्प से अवगत कराया। संचालन आशीष दशोत्तर ने किया, आभार सिविल सर्जन डॉ. आनंद चंदेलकर ने माना।

नवभारत 13/9/21

मानव सेवा समिति ने गंभीर डेंगू मरीजों की सूची सौंपी

प्रसारण न्यूज • रतलाम

डेंगू रोकथाम एवं टीकाकरण के लिए ली गई बैठक में वरिष्ठजन प्रतिनिधि एवं जिला कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने डेंगू रोकथाम के लिए अनेक निर्णय लिए। उसी के तहत गंभीर बीमार रोगी जिनको प्लेटलेट मानव सेवा समिति की ओर से दी गई उन सभी की तत्काल सूची बनाकर देने का समाजसेवी गोविंद काकानी के सुझाव पर जिलाधीश ने निर्देश बैठक में दीया था।

गंभीर डेंगू मरीजों की सूची एवं आवश्यक जानकारी के लिए एसडीएम अभिषेक गहलोत, तहसीलदार गोपाल सोनी एवं पटवारी संदीप डक्करा मानव सेवा समिति रक्त केंद्र पर बैठक के बाद तत्काल पहुंचे। जहां पर मानव सेवा समिति अध्यक्ष मोहनलाल पाटीदार (मुरली वाला) उपाध्यक्ष विवेक बक्शी, सचिव गोपाल सोडाणी एवं जिला क्राइसिस मैनेजमेंट समिति के सदस्य गोविंद काकानी ने जिले की डेंगू की स्थिति से अवगत कराया एवं लगातार 5 घंटों की मेहनत में विवेक बक्शी एवं गोविंद काकानी ने विगत 1 सितंबर से 10 सितंबर तक 10 दिन में 137 गंभीर डेंगू मरीजों की सूची बनाकर प्रशासन को सौंपी।

इस आधार पर प्रशासन एवं टीम के द्वारा मरीज के निवास क्षेत्र के आसपास के इलाके को डेंगू मुक्त करने का अभियान तेज गति से प्रशासन ने शुरू कर दिया है।

शहर के नागरिकों से विशेषकर डेंगू से ग्रसित परिवारों से निवेदन है अपने घर के छत एवं पूरे इलाके को देखें जहां पर पानी इखट्ठ है उसे तुरंत हटाकर या बदल कर डेंगू महामारी को रोकने ने मैं प्रशासन की मदद करें। मानव सेवा समिति द्वारा लगातार रतलाम जिले के अलावा मंदसौर, धार, झाबुआ, नीमच उज्जैन, प्रतापगढ़ (राजस्थान) आदि स्थान के डेंगू मरीजों को भी प्लेटलेट देने की व्यवस्था कर रही है।

प्रसारण

प्रसारण 13/9/21

शहर में हिंदू संगठनों में रोष

निगम अब गाय के बाड़े तोड़ेगा

रतलाम. भैंस पालने वाले मवेशियों के संचालकों के तबेले तोड़ने के बाद अब नगर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने गाय को रखने के लिए बनाए गए 149 बाड़े तोड़ने की तैयारी कर ली है। इसके लिए सभी 149 बाड़ा संचालकों को नोटिस जारी कर दिए गए है। निगम की इस कार्रवाई का हिंदू संगठनों ने विरोध करते हुए कहा है कि कुत्तों से परेशान शहर में गाय के खिलाफ अभियान का जमकर विरोध किया जाएगा।

बता दे कि शहर में हाल ही में नगर निगम ने 26 अवैध ऐसे तबेले तोड़े है जिनको चलाने वाले वर्षो से सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा किए हुए थे। इसके लिए जेसीबी, डंपर, सब्बल से लेकर हथोड़े तक का उपयोग किया गया। इस कार्रवाई के बाद अब नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने मवेशी पालक को नोटिस जारी कर दिए है। इस नोटिस में इस बात का उल्लेख किया गया है कि जो बाड़े बनाए गए है वो नियम अनुसार नहीं है। गाय को सड़क पर छोड़ दिया जाता है व इससे दुर्घटनाएं होती है। इससे आमजन की जिंदगी को खतरा होता है।

हिंदू संगठन नाराज

गाय के खिलाफ अभियान से अब हिंदू संगठन नाराज हो गए है। हिन्दू संगठन के राजेश कटारिया के अनुसार शहर कुत्तों से परेशान है। रात हो या दिन, झुंड में विचरण करने वाले हिंसक कुत्ते आमजन के लिए खतरा बने हुए है। इनके खिलाफ अभियान के बजाए निगम आस्था की गाय के खिलाफ अभियान चला रही है। इसको बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। स्वच्छता का समर्थन है, लेकिन गाय को शहर के बाहर नहीं जाने दिया जाएगा।

नगर निगम सभी प्रकार की कार्रवाई नियम अनुसार कर रहा है। शहर में गाय केसड़क पर खड़े रहने से दुर्घटनाएं होती है। इसलिए इनको सुरक्षित स्थान पर रखने की जरुरत है। इसलिए ही नोटिस जारी किए गए है।
- सोमनाथ झारिया, आयुक्त नगर निगम

पत्रिका 13/9/21

आज से टूटेंगे अनुमति के बिना मुख्य सड़कों के किनारे किए गए निर्माण

रतलाम | शहर की मुख्य सड़क सैलाना रोड, सागोद रोड, महू रोड, स्टेशन रोड सहित अन्य सड़कों के किनारे बिना अनुमति के किए गए निर्माण कार्यों को नगर निगम 13 सितंबर से तोड़ना शुरू कर देगा। इसके लिए आयुक्त सोमनाथ झारिया ने दल बना दिया है, जो सोमवार से एक्शन में आ जाएगा। संबंधितों से 15 हजार रुपए प्रति घंटे के हिसाब से जुर्माना भी वसूला जाएगा।

विराट मेहरा को हटाया, अब सौरभ काला जोन चार के प्रभारी -कार्य में लापरवाही बरतने पर आयुक्त झारिया ने जोन चार के प्रभारी विराट मेहरा को हटा दिया है। उसकी जगह उप स्वच्छता पर्यवेक्षक सौरभ काला को नियुक्त किया है। इसी प्रकार रविवार को सफाई व्यवस्था के निरीक्षण के दौरान गंदगी फैलाने वाले 16 व्यक्तियों पर जुर्माना लगाया गया। इनमें गौरीशंकर माली शांति नगर पर 1000 रुपए, राठौर नमकीन अलकापुरी पर 100 रुपए, सक्कुबाई, ताराबाई, कमलाबाई राम मंदिर, संतोषबाई, सोनूबाई, फुलबाई, सज्जन मिल रोड, प्रेम, बंशीलाल, विजय, सूरजबाई, अंकित मालवीय अलकापुरी, कमला, तुलसीबाई सनसिटी, राठौरजी नौलाईपुरा से 50 रुपए का स्पॉट फाइन वसूला।

दै. भास्कर 13/9/21